



पार्किंसंस रोग में संज्ञानात्मक क्षय (Cognitive Impairment) और व्यवहार संबंधी समस्याएं (Behavioural problems): रोगियों के लिए आवश्यक तथ्य

किस प्रकार के संज्ञानात्मक समस्याएं पार्किंसंस बीमारी में उत्पन्न होते हैं?

पार्किंसंस रोग (पी.डी.) से पीड़ित कई लोगों की याददाश्त और सोच (अनुभूति) अच्छी होती है और वो सामान्य रूप से कार्य करते हैं। यद्यपि, बढ़ती उम्र के साथ विस्मृति (memory loss) का होना सम्भव और स्वाभाविक है। परन्तु पार्किंसंस के अग्रिम स्थिति में ध्यान देने की क्षमता, सोचने की क्षमता, याददाश्त में और गंभीर परेशानी हो सकता है।

पी.डी. के आम संज्ञानात्मक समस्याओं में शामिल हैं:

- ध्यान देना या ध्यान केंद्रित करना
- नियोजन कार्यक्रम, जैसे व्यस्त दिन का आयोजन (planning)
- जटिल बातचीत को ध्यान से सुनना और समझना या जटिल समस्याओं को हल करना
- जल्दी से विचार करना
- घटनाओं या घटना के विवरण को याद रखना, हालांकि संकेत या सुराग अक्सर घटना के स्मृति को वापस लाते हैं

अगर संज्ञानात्मक क्षय कम हो जो आपकी दैनिक जीवन को गंभीर रूप से प्रभावित नहीं करता हो तो यह हल्का संज्ञानात्मक क्षय (mild cognitive impairment) कहलाता है। अगर क्षय गंभीर हो जो कि आपके दैनिक कार्यक्रम को प्रभावित करता हो तो यह डिमेंशिया (dementia) कहलाता है।

संज्ञानात्मक समस्याएं क्यों होती हैं?

मानसिक क्षमता में परिवर्तन पी.डी. के रूप में आपके मस्तिष्क के उन हिस्सों को प्रभावित करना शुरू कर देता है जो ध्यान, सोच और स्मृति को नियंत्रित करते हैं। ज्यादातर मामलों में, यह केवल बीमारी में बाद में होता है, या बढ़ती उम्र के साथ (आमतौर पर 65 वर्ष से अधिक) के होते हैं।

मतिभ्रम (hallucination) और भ्रम (delusion): बहुत से लोग जो पार्किंसंस बीमारी से पीड़ित हैं और जिन्हें संज्ञानात्मक क्षय है वह मतिभ्रम और भ्रम से पीड़ित हो सकते हैं। मतिभ्रम तब होता है जब लोग जागते हुए, उन चीजों को देखते या सुनते हैं जो वास्तव में नहीं हैं। पार्किंसंस की बीमारी में मतिभ्रम अक्सर देखा गया है। उनमें वे "दिखने" वाले जानवर या ऐसे लोग शामिल हो सकते हैं जो वहाँ नहीं हैं। शुरुआत से, ज्यादातर लोग मानते हैं कि मतिभ्रम वास्तविक नहीं है। बाद में, यह बताना कठिन हो सकता है कि वास्तविक क्या है और क्या नहीं है। पार्किंसंस के मरीजों में भ्रम भी हो सकता है जैसे कि दीवार पर एक स्पॉट एक कीट है।

भ्रम (Delusion) मिथ्या विश्वास हैं जो वास्तविकता या तथ्य पर आधारित नहीं हैं। आम भ्रम जो पार्किंसंस की एडवांस स्थिति में अक्सर देखे जाते हैं जैसे कि घर में अतिरिक्त लोग रहते हैं, आपका जीवनसाथी धोखा दे रहा है, या कोई आपका कुछ चुरा रहा है।

प्रारम्भ में मतिभ्रम की पहचान आप खुद सहजता से कर सकते हैं और इसके इलाज की जरूरत नहीं होती। यह महत्वपूर्ण है कि आपका डॉक्टर जाँच करे कि आपको संक्रमण नहीं है, (विशेष रूप से मूत्र पथ के) या आप ऐसी दवा पर नहीं हैं जो मतिभ्रम और भ्रम का कारण बन सकता है। मतिभ्रम और भ्रम का इलाज अक्सर दवाओं को समायोजित करके किया जा सकता है, जैसे कि नींद या दर्द के लिए। यदि इन परिवर्तनों के बावजूद ये समस्याएं बनी रहती हैं, तो आपका डॉक्टर आपकी कुछ पी.डी. की दवाइयों को कम करने की कोशिश कर सकता है। यदि यह मदद नहीं करता है, या यह आपके मूवमेंट को बदतर बनाता है, तो आपका डॉक्टर अनुभूति (cognition) की सहायता के लिए उपयोग की जाने वाली दवा लिख सकते



International Parkinson and
Movement Disorder Society

पार्किंसंस रोग में संज्ञानात्मक क्षय (Cognitive Impairment) और व्यवहार संबंधी समस्याएं (Behavioural problems): रोगियों के लिए आवश्यक तथ्य

है। इसके अलावा, क्लोज़ापाइन (clozapine) या क्वेटेपाइन(quetiapine) मतिभ्रम या भ्रम की स्थिति में मदद कर सकता है। लेकिन अत्यधिक नींद इन दवाइयों का side effect हो सकता है। क्लोज़ापाइन इस्तेमाल करने वाले रोगियों को नियमित रक्त परीक्षण की भी आवश्यकता होती है।

संज्ञानात्मक समस्याओं के लिए क्या करना चाहिए?

उचित व्यायाम, खानपान, नींद और रक्तचाप नियंत्रण के द्वारा संज्ञानात्मक कार्य में मदद मिल सकती है। अगर आपकी सोचने की क्षमता में क्षय, आपकी याददाश्त की गिरावट या आपकी निर्णय लेने की अक्षमता आपके दैनिक कार्यक्रम को बाधित करता है तो अपने डॉक्टर से सलाह ले। आपका डॉक्टर संज्ञानात्मक परीक्षण करना चाह सकता है। दवाओं की समीक्षा करनी चाहिए क्योंकि कभी कभी पार्किंसंस की दवाई या अन्य किसी भी प्रकार की दवाई अनुभूति की दशा को बदतर बना देती हैं। ऐसे में गोली बक्से का उपयोग और दवा के समय का reminder उपयोगी सिद्ध होता है।

यदि स्मृति समस्याएं गंभीर हो जाती हैं तो:

- * अपने परिवार और डॉक्टर से परामर्श लेना चाहिए कि भविष्य में जीवन शैली की व्यवस्था, घर की देखभाल या देखभाल की व्यवस्था कैसी होनी चाहिए।
- * एक विश्वसनीय देखभाल करनेवाले को नियुक्त करें जिसे न्यायिक रूप power of attorney प्रदान किया जाए। जब आप अक्षम हो तो वह व्यक्ति आपके वित्त और संपत्ति की देखभाल करें, आपके बिल का भुगतान करें तथा आपके लिए बात करने का उसे अधिकार हो। Power of attorney के बिना यह सुविधाएं ज्यादा महंगी और जटिल हो जाती है।
- * यह सुनिश्चित करें कि आपकी संपत्ति और वसीयत वर्तमान समय की हो। यह भी सुनिश्चित करें कि भविष्य में अगर आपको संज्ञानात्मक या ध्यान की गंभीर समस्या हो तो आपभी वसीयत को बदल नहीं सकते।

इसका उपचार क्या है?

रिवास्टिगमाइन(rivastigmine), डोनेपेज़िल(donepezil), गैलैंटामाइन(galantamine) और मेमेंटाइन(memantine) जैसी दवाईयां डिमेंशिया वाले पार्किंसंस के रोगियों में अध्ययन किया गया है। ये दवाईयां कुछ हद तक मददगार हो सकती है। कुछ लोगों में इन दवाओं से पर्याप्त सुधार नजर आता है और कुछ में बहुत कम सुधार होते हैं। इन दवाओं के सामान्य दुष्प्रभाव मतली आना (nausea and vomiting) और दस्त है।